भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या2944

जिसका उत्तर 20 दिसंबर,2023 को दिया जाना है।

29 अग्रहायण, 1945 (शक)

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी में पीएचडी

2944. श्री रितेश पाण्डेयः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी औरसूचना प्रौद्योगिकी मंत्रीयह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी में विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना के लिए कितनी धनराशि आबंटित की गई है;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान इस योजना के भाग के रूप में स्वीकृत और जारी की गई निधि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत कितने शोधार्थियों को सहायता प्रदान की गई है;

(घ) क्या व्यावसायिक क्षेत्र में इन शोधार्थियों के सहज अनुकूलन के लिए अनुसंधान और विकास गतिविधियां की जा रही हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) और (ख): सरकार प्रतिभा पूल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो तीव्र गति से बढ़ते डिजिटल नवाचार और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित और संचालित करेगा। विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना इस पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण भाग है । यह योजना सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) और आईटी/आईटी सक्षम सेवाओं (आईटी/आईटीईएस) के ज्ञान-गहन क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए देश में पीएचडी की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। योजना के अंतर्गत, पीएचडी शोधार्थियों और युवा संकाय को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जो अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास का कार्य कर रहे हैं। यह योजना संस्थानों को अवसंरचना सहायता भी प्रदान करती है ।

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना एक संस्थागत योजना है जहां देश भर के शैक्षणिक संस्थानों को धन जारी किया जाता है। गत दो वर्षों (अर्थात वित्त वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23) के दौरान, योजना के अंतर्गत 26.86 करोड़ रुपये आवंटित और जारी किए गए। गत दो वर्षों के दौरान राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को जारी की गई धनराशि का विवरण अनुबंध-I के रूप में दिया गया है।

(ग): विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना के अंतर्गत, गत दो वर्षों के दौरान कुल 273 पीएचडी शोधार्थियों को सहायता प्रदान की गई है।

(घ) और (ङ):जी हाँ।इस योजना के अंतर्गत, पीएचडी शोधार्थी उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान को आगे बढ़ाते हैं ताकि इन शोधकर्ताओं को पेशेवर प्रयासों के लिए सुगमता से अनुकूलित किया जा सके। इसके अलावा, पीएचडी शोधार्थियों को अपने शोध कार्य के लिए पुरे विश्व के संस्थानों के साथ सहयोग करने का भी प्रावधान है।

योजना के अंतर्गत, अनुसंधान शोधार्थियों ने आईईईई, एल्सेवियर, स्प्रिंगर आदि जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 5750 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। पाठ्यक्रम सुधार और प्रेरणा के लिए अनुसंधान शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने हेतु योजना के अंतर्गत अनुसंधान कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

****

अनुबंध- I

पिछले दो वर्षों के दौरान राज्य/संघराज्यक्षेत्रकोविश्वेश्वरैयापीएचडीयोजना के अंतर्गत जारीकीगईधनराशि		
क्र.सं.	राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों केनाम	रुपये करोड़ में
1	आंध्र प्रदेश	0.40
2	अरुणाचल प्रदेश	0.20
3	असम	0.88
4	बिहार	1.27
5	चंडीगढ़	0.21
6	छत्तीसगढ	0.05
7	दिल्ली	5.73
8	गोवा	0.17
9	गुजरात	0.86
10	हरियाणा	0.06
11	हिमाचल प्रदेश	0.44
12	जम्मू एवं कश्मीर	0.25
13	झारखंड	0.03
14	कर्नाटक	1.56
15	केरल	0.21
16	मध्य प्रदेश	2.40
17	महाराष्ट्र	0.99
18	मेघालय	0.25
19	ओडिशा	0.06
20	पुदुचेरी	0.03
21	पंजाब	0.45
22	राजस्थान	0.83
23	सिक्किम	0.14
24	तमिलनाडु	1.53
25	तेलंगाना	3.08
26	उत्तर प्रदेश	2.63
27	उत्तराखंड	0.39
28	पश्चिम बंगाल	1.76
कुल		**26.86**